हिन्दुस्तान 02
लखनऊ • गुरुवार • 05 मई 2016

दोनों विश्वविद्यालय और उनसे संबद्ध कॉलेज सूचनाएं देने में चल रहे हैं पीछे

मेरठ विवि व एकेटीयू करा रहे यूपी की किरकिरी

राज्य मुख्यालय | राजीव ओझा

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ के कारण अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) में उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन खराब चल रहा है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत जुटाए जाने वाले आंकड़े दरअसल नीतियां बनाने में सहायक होते हैं। ये दोनों विश्वविद्यालय व उनसे संबद्ध कॉलेज सूचनाएं देने में पीछे चल रहे हैं।

केंद्र सरकार ने वर्ष 2011-12 में एआईएसएचई की शुरुआत की थी। इसका एक उद्देश्य यह भी है कि देश-दुनिया के किसी भी कोने में बैठा छात्र प्रवेश लेने से पहले संबंधित विश्वविद्यालय या कॉलेज के बारे में पूरी जानकारी ले सके। इसके तहत देश के सभी केंद्रीय व राज्य विश्वविद्यालयों तथा उनसे सम्बद्ध कॉलेजों को सात बिन्दुओं पर सूचनाएं एआईएचएचई के पोर्टल पर अपलोड करनी होती हैं। इसमें आधारभूत सुविधाओं, शिक्षकों व छात्रों की संख्या, पाठ्यक्रम का ब्योरा व परीक्षा परिणाम की जानकारी शामिल है। एआईएचएचई की ओर से ऐसी सभी संस्थाओं को 'लॉग इन आईडी' व 'पासवर्ड' दिए गए हैं। वर्ष 2014-15 में प्रदेश के सभी प्रकार के विश्वविद्यालयों का प्रदर्शन शत-प्रतिशत था, जबकि 90% कॉलेजों ने भी अपनी सूचनाएं अपलोड कर दी थीं। वर्ष 2015-16 में विश्वविद्यालयों का प्रदर्शन 91 प्रतिशत व कॉलेजों का प्रदर्शन 82 प्रतिशत रहा।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय

खराब प्रदर्शन

एकेटीयू, मेरठ विश्वविद्यालय का प्रदर्शन सबसे खराब है। दोनों विश्वविद्यालयों सुस्ती से प्रदेश का प्रदर्शन बेहतर नहीं हो पा रहा है।

डॉ. आलोक श्रीवास्तव, एआईएसएचई के प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर एवं स्टेट नोडल अफसर